Central Board of School Education

Marking Scheme 2016

[Official]

Note - Candidates Please follow the Set 1 Marking Scheme.

उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
परीक्षा – मार्च, 2015–2016
अंक योजना हिन्दी 'ऐच्छिक'
कक्षा – XII

कूटबंध – 29/1
~~29/2~~
~~29/3~~

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/	~~29/2/~~	~~29/3/~~		
				खंड 'क'	
1.	1.	2.	1.	**अपठित गद्यांश पर आधारित उत्तर–**	15 अंक
	क	क	क	• माता–पिता, दादा–दादी तथा उनकी संतान के एक साथ रहने, खाने की व्यवस्था वाला परिवार – संयुक्त परिवार। • पति–पत्नी और उनकी संतान मात्र के रहन–सहन, खान–पान, की व्यवस्था वाला एकल परिवार।	1+1=2
	ख	ख	ख	• प्रत्येक सदस्य सबके सुख–दुख का सहयोगी। • एक दूसरे के प्रति उत्तरदायित्व को समझाने वाला। • प्रेम, सद्भाव तथा जीवन–मूल्यों का पोषक।	2
	ग	ग	ग	• समाज में बिखराव और अलगाव का आना।	

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 /	29 / 2 /	29 / 3 /		
				• व्यक्ति का परिवार से अलग होने या बिखरने से समाज के मूल्यों, मान्यताओं का हर स्तर पर बदलते जाना। • नई सभ्यता के नाम पर पुराने आदर्शों की उपेक्षा और इस प्रकार उच्छृंखलता का बढ़ते जाना। • धन–लिप्सा, स्वार्थ की भावना और आराम, ऐश्वर्य की ज़िंदगी जीने की ललक। (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित।)	1+1=2
	घ	घ	घ	• संयुक्त परिवार में रूढ़ियों, परंपराओं, और विचारों के पालन का दबाव। • आज के उदारवादी दृष्टिकोण का विरोध। • आधुनिक युग के सुख–साधनों का आकर्षण। • नई पीढ़ी की अहं भावना।	1+1=2
	ङ	ङ	ङ	• व्यक्ति परिवार के प्रति अहं भाव से रहित हो। • परिवार की व्यक्ति के प्रति उदारता। • व्यक्ति, परिवार दोनों का आपसी सामंजस्य। • समाज के प्रति व्यक्ति और परिवार का	1+1=2

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 /	29 / 2 /	29 / 3 /		
				दायित्व–निर्वाह।	
	च	च	च	• विकास और समृद्धि की ओर अग्रसर विश्व के परिप्रेक्ष्य में नई विचारधारा। • समृद्धि और भौतिक सुख–साधनों के लिए अनेक अवसर। • प्रतिस्पर्धात्मक युग में नवीन विचारों, अवसरों, संसाधनों को अपनाने की प्रेरणा।	2
	छ	छ	छ	• दोनों पीढ़ियों में समय के अनुसार अपेक्षित विचारों को मानने का संकल्प। • परिवर्तित विचार और दृष्टिकोण के अनुसार आचरण, व्यवहार। • पारस्परिक जीवन में सद्भाव, प्रेम, सहयोग, त्याग और उदारता का भाव अपनाना। • सबके सुख–दुख में सबका सहभागी होना। (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित।)	1+1=2
	ज	ज	ज	• संयुक्त परिवार का विघटन। • बिखरते परिवार। (अन्य उपयुक्त शीर्षक भी स्वीकार्य।)	1

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 /	29 / 2 /	29 / 3 /		
2.	2.	1.	2.	**अपठित काव्यांश पर आधारित उत्तर–**	1x5=5
	क	क	क	• पूर्वजों के आदर्श गौरवपूर्ण थे। • वे देश के प्रति प्रेम, भक्ति, त्याग, बलिदान आदि की भावना सहित जीवनयापन करते हुए परोपकार में रत रहे।	1
	ख	ख	ख	• देश के प्रति समर्पित हो कर सुख–शांति का उद्देश्य प्राप्त करने हेतु। • जाति और संप्रदाय के भेद भाव मिटा कर एकता स्थापित करने हेतु। • देशवासियों में भाईचारा लाने हेतु।	1
	ग	ग	ग	• अनेक रंग – रूप, वेश, भाषा, जाति के लोग देश में अनेक रंग – रूप के फूलों के समान हैं। • विभिन्न प्रकार के फूलों से बनी एक माला की तरह विभिन्न वर्ग, संप्रदाय, विचार आदि के देशवासियों से देश की एकता रूपी माला बनती है।	1
	घ	घ	घ	• हंस की तरह विवकेशील बन कर उचित–अनुचित की परख करना। • 'केवल पुरानी बातें श्रेयस्कर हैं' – इस तथ्य को महत्व न दे कर समय और परिस्थिति के अनुसार उचित को	1

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 /	29 / 2 /	29 / 3 /		
				अपनाना।	
	ङ	ङ	ङ	• देश के प्रति आत्मीयता, प्रेम देशभक्ति आदि की भावना हृदयगत हो न कि केवल कथन में प्रकट हो, व्यवहार और आचरण में हो।	
				<u>खंड – 'ख'</u>	
3.	3.	3.	5.	**किसी एक विषय पर निबंध अपेक्षित :** • भूमिका 1 • विषय–वस्तु 6 (तीन बिंदुओं का प्रतिपादन) • उपसंहार 1 • भाषा और प्रस्तुति 2	10
4.	4.	4.	6.	**पत्र–लेखन :** • आरम्भ और अंत की औपचारिकताएँ 2 • विषय–वस्तु 2 • भाषा 1	5
5.	5.			**संक्षिप्त उत्तर–**	1x5=5
	क	–	–	• प्रिंट मीडिया, रेडियो, टेलिविज़न, इंटरनेट आदि।	1
	ख	–	–	• बटन दबाते ही सूचनाओं की प्राप्ति।	

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 /	29 / 2 /	29 / 3 /		
				• जीवन की दैनिक उपयोगिता से पूर्ण।	1
	ग	–	–	• संचार–प्रक्रिया में प्राप्तकर्ता की प्रतिक्रिया को 'फीडबैक' कहते हैं। • संचार प्रक्रिया की सफलता में इसकी अहम भूमिका होती है।	1
	घ	–	–	• सूचनाओं की उपलब्धि। • घटनाओं की जानकारी।	½+½=1
	ङ	–	–	• पत्रकार तथ्यों का संकलन और उसे प्रस्तुत करते हुए अपने आकलन को अपनी धारणाओं या विचारों से प्रभावित न होने दे।	1
		5.			
	–	क	–	• स्थायित्व एवं संग्रहणीय। • दस्तावेज के रूप में उपयोग। • सुविधानुसार, यथासमय पढ़ने योग्य।	½+½=1
	–	ख	–	• मानदेय के आधार पर विभिन्न समाचार एजेंसी तथा पत्र–पत्रिकाओं में लिखने वाला पत्रकार।	1
	–	ग	–	• बिना किसी भेद–भाव या पक्षपात के उचित और सत्य समाचारों का संपादन एवं प्रकाशन।	1

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 /	29 / 2 /	29 / 3 /		
	—	घ	—	• दृश्य–सामग्री की प्रस्तुति। • आम आदमी तक सहज बोलचाल की भाषा में समाचार पहुँचाना। (अन्य उपयुक्त उत्तर भी स्वीकार्य।)	1
	—	ङ	—	• सरकारी तथा गैर–सरकारी क्षेत्रों में व्याप्त भ्रष्टाचार पर छानबीन कर तथ्य तथा घोटाले को उजागर करने के लिए।	1
	—	—	3. क	• अखबार, समाचार पत्र–पत्रिकाओं में प्रकाशित सूचनाओं तथा घटनाओं का माध्यम।	1
	—	—	ख	• तथ्यों के आधार पर बात रखने में सक्षम प्रस्तुति द्वारा। • तर्कशील तथा आधुनिक सोच वाले वैज्ञानिक कार्यक्रम विकसित करके।	½+½=1
	—	—	ग	• जनसामान्य तक प्रिंट माध्यम तथा अन्य दृश्य माध्यमों द्वारा पहुँचायी जाने वाली सूचना।	1
	—	—	घ	• समाचार एजेंसी, संवाददाता आदि स्रोतों से प्राप्त सूचना विश्वसनीय होती है।	1

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 /	29 / 2 /	29 / 3 /		
	–	–	ङ	• हित और अहित दोनों में प्रयोग होने के कारण। • पहरेदार, शिक्षक तथा जनमत निर्माण करने के कारण।	1
6.	6.	6.	4.	**फीचर–लेखन व आलेख लेखन के लिए निर्धारित अंक :** • विषय वस्तु 3 • रोचकता 1 • भाषायी शुद्धता 1	5
				खंड – ग	
7.	7.	9.	7.	सप्रसंग व्याख्या – • कवि व कविता का नामोल्लेख ½ +½=1 • पूर्वापर संबंध / प्रसंग 1 • व्याख्या बिंदु 4 • विशेष / काव्य–सौंदर्य 2 दुख ही जीवन .....मैं तेरा तर्पण! कवि – सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' कविता – सरोज–स्मृति प्रसंग – कवि स्वयं को भाग्यहीन कह कर अत्यंत दुखी। अपने विगत कर्मों का अर्पण करके अपनी पुत्री	8

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 /	29 / 2 /	29 / 3 /		
	7. अथवा	9. अथवा	7. अथवा	सरोज का तर्पण। व्याख्या बिंदु – • जीवन भर दुख सहना। • किसी को भी कुछ न बताना। • सरोज की असमय मृत्यु से उत्पन्न दुख को भी व्यक्तिगत मानना। • पश्चाताप करना। • कवि के सारे पुण्य कर्मों पर वज्रपात। • अपने पुण्य कर्मों का अर्पण करते हुए सरोज का तर्पण करना। विशेष – • कवि की वेदना की मार्मिक अभिव्यक्ति। • खड़ी बोली, तत्सम शब्दावली। • मुक्त छंद। • उपमा अलंकार। मैं जानउँ निज .....कोह न काऊ।। कवि – तुलसीदास कविता – 'भरत–राम का प्रेम' प्रसंग – भरत – राम के स्वभाव का चित्रण। प्रेम पूर्वक व्यवहार।	

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 /	29 / 2 /	29 / 3 /		
				व्याख्या बिंदु– चित्रकूट में आयोजित सभा में वशिष्ठ मुनि भरत को अपने मनोभाव व्यक्त करने को कहते हैं– भरत का कथन– • राम का स्वभाव मृदुल, अपराधियों पर भी क्रोध न करना। • मुझ पर (भरत पर) विशेष स्नेह, प्यार। • बचपन से ही विशेष स्नेह, स्वयं हार कर भाई को विजयी बनाना। • भरत का मन नहीं दुखाया। खेल में भी भरत को जिता देना। विशेष– • अवधी भाषा। • अलंकार – रूपक, अनुप्रास। • अभिधा शक्ति द्वारा कथन। • अत्यंत सहनशील होने का उदाहरण। • चौपाई छंद। • माधुर्य गुण।	
8.	8. क	7. क	8. क	**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित –** • आजादी के बाद लोगों ने आत्मनिर्भर, मालामाल तथा गतिशील बनने के लिए	3+3=6

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 /	29 / 2 /	29 / 3 /		
				– बेईमानी, छल, कपट, झूठ तथा फरेब को अपनाया। • कवि संवेदनशील, मूल्यों में विश्वास करने वाला तथा ईमानदार लोगों के साथ खड़ा रहना चाहता है। • दलित, पिछड़े लोगों के साथ कवि की सहानुभूति के कारण।	1+2=3
	ख	ख	ख	• कार्नेलिया के गीत में भारत की प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विशेषताओं का उल्लेख। • यहाँ प्रकृति अद्‌भुत – जिसे मधुमय कहा गया है। • सूर्य की पहली किरण का यहाँ आना, पक्षियों का कलरव। • अनजान अतिथियों के लिए आश्रय देना। • भारतीयों का हृदय – दया, करुणा तथा सहानुभूति से भरा हुआ। • सभी के सुखों की कामना करना।	3
	ग	ग	ग	• बनारस में वसंत अचानक आता है। • वसंत के आगमन पर शहर में परिवर्तन परिलक्षित। • पूरे शहर में चहल–पहल का बढ़ना। • गंगा, गंगा–घाट, भिखारियों तथा मंदिरों में उल्लास व उत्साह। • अंतिम व्यक्ति भी समाज में उपेक्षित	

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 /	29 / 2 /	29 / 3 /		
				महसूस न कर कर्मशील रहता है। • कठोर हृदय में भी करुणा, दया का भाव जाग्रत।	3
9.	9.	8.	9.	**किन्हीं दो काव्यांशों का काव्य सौंदर्य अपेक्षित**–	3+3=6
				काव्य सौंदर्य • भाव सौंदर्य 1 • शिल्पगत सौंदर्य 2	
	क	क	क	जनम अवधि.....चरण न गेल।।	
				भाव सौंदर्य – • वियोगिनी नायिका के प्रेम का वर्णन। • नित्य दर्शन करने पर भी आँखें अतृप्त। • प्रेम–पूर्ण वाणी सुन कर भी अनसुना सा लगना, बार–बार सुनने की इच्छा होना।	
				शिल्प सौंदर्य– • भाषा – मैथिली। • प्रेम की नवीनता का वर्णन। • विशेषोक्ति अलंकार। • अनुप्रास – निहारल–नयन, स्रवनहि सूनल स्रुति। • वियोग श्रृंगार। • माधुर्य गुण।	

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 /	29 / 2 /	29 / 3 /		
				(किन्हीं तीन बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	
	ख	ख	ख	रकत ढरा.....समेटहु पंख।।	
				भाव सौंदर्य– • जायसी, नागमति का विरह वर्णन का सजीव चित्रण। • विरहणी नागमति का कथन। • विरह के कारण शरीर का रक्त बह जाना, मांस गल जाना, हड्डियाँ सूख कर निष्प्राण। • सारस की जोड़ी की तरह, प्रिये के रहते हुए भी मरणावस्था में।	
				शिल्प सौंदर्य– • भाषा – अवधी। • अतिश्योक्ति अलंकार। • दोहा छंद। • वियोग श्रृंगार।	3
	ग	ग	ग	यह मधु है.....अमृत – पूत पय।।	
				भाव सौंदर्य– • व्यक्ति का समाज में विलय होने पर ही सार्थकता। • यह मधु है, जिसे काल के टोकरे में	

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 /	29 / 2 /	29 / 3 /		
10.	10.	11.	10.	युग–युग से संचित किया गया है। • गोरस जीवन रूपी धेनु का अमृत है। • देव–पुत्रों द्वारा पिया जाने वाला दूध। • व्यक्ति के सारे गुण, विशेषता समाज के लिए समर्पित। शिल्प सौंदर्य – • तत्समप्रधान शब्दावली युक्त खड़ी बोली। • प्रतीकात्मकता का समावेश। • लाक्षणिक प्रयोग। • व्यष्टि का समष्टि में विलय। • भावानुकूल भाषा। **गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–** • लेखक एवं पाठ का नामोल्लेख ½+½ • पूर्वापर प्रसंग 1 • व्याख्या बिंदु 3 • गद्यांश की शिल्पगत विशेषताएँ 1 प्रजापति की अपनी .....कर सकेगा। लेखक – रामविलास शर्मा पाठ – यथास्मै रोचते विश्वम्। प्रसंग – कवि का कर्म केवल यथार्थ जीवन को दर्पण में दिखाना मात्र नहीं है	6

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 /	29 / 2 /	29 / 3 /		
	10. अथवा	11. अथवा	10. अथवा	उसमें परिवर्तन लाना भी है। व्याख्या बिंदु– • समाज को दर्पण दिखाने वाला कवि / साहित्यकार को अनुकरण न करने वाला बन कर प्रणेता बनना आवश्यक। • अपने मौलिक विचारों द्वारा समाज का मार्गदर्शक बन कर आदर्श रूप देना। • साहित्यकार अपने उत्तरदायितत्व का बोध कर ही हिन्दी साहित्य को विकसित कर सकेगा। विशेष– • खड़ी बोली, साहित्यिक हिन्दी। • भाषा सरल और सहज। • विचारात्मक शैली। • तत्सम शब्दों का यथेष्ट प्रयोग। • उदाहरण देकर तथ्य पुष्टि। **अथवा** दुनिया में .....सोचना है। लेखक – हजारी प्रसाद द्विवेदी पाठ – कुटज	

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 /	29 / 2 /	29 / 3 /		
				प्रसंग – दुनिया में बदलाव के लिए स्वार्थ भावना से हट कर परमार्थ के साथ जीने की इच्छा आवश्यक। व्याख्या बिंदु– • लोगों में स्वाार्थ की भावना प्रबल। • जीने की इच्छा के मूल में स्वार्थ निहित। • स्वार्थ से बढ़ कर जिजीविषा से भी प्रचंड कोई न कोई शक्ति अवश्य है, जैसे शहीदों की शहादत। • जीन की इच्छा में परमार्थ का समावेश आवश्यक। विशेष– • खड़ी बोली गद्य। • तत्सम प्रधान शब्दावली। • उपदेशात्मक शैली। • मनुष्य के स्वभाव का उद्घाटन। • सटीक, सरल भाषा।	
11.	11. क	10. क	11. क	**किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर अपेक्षित –** • पश्चिम की नकल कर योजना बनाना। • प्रकृति, मनुष्य और संस्कृति के बीच के संतुलन को आवश्यक नहीं समझना।	4+4=8

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 /	29 / 2 /	29 / 3 /		
	ख	ख	ख	क्योंकि– • पश्चिम–शिक्षित सत्ताधारियों का ध्यान संतुलन को बचाने की ओर नहीं गया। • अपनी शर्तों और मर्यादाओं के आधार पर औद्योगिक विकास का भारतीय स्वरूप नहीं बनाना।	2+2=4
	ग	ग	ग	• बेटा बन कर बहुरिया की सेवा करने का संकल्प। • संवेदनशीलता। • बड़ों के प्रति आदर भाव। • दृढ़ संकल्प। • गाँव के प्रति कृतज्ञ भाव। • सामाजिक उत्तरदायित्व।	1+3=4
				• शेर का मुँह प्रपंच है, छलावा है और उसके मुँह में रोजगार के दफ्तर का झूठा प्रचार है। • शेर का मुँह मिथ्या, अविश्वास और अनियमितता है। • विवेकशील व्यक्ति जानता है कि रोजगार दफ्तर की वास्तविकता क्या है। • शेर का मुँह हमारी समकालीन व्यवस्था का प्रतीक। • शेर न्यायप्रिय, अहिंसावादी प्रतीत होता है पर असलियत में वह ढोंगी व लालची है।	2+2=4

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 /	29 / 2 /	29 / 3 /		
12.	12.	12.	12.	**जीवन परिचय** किसी एक का संक्षिप्त जीवन परिचय अपेक्षित– • जीवन परिचय 2 • रचनाएँ (दो का उल्लेख अपेक्षित) 2 • साहित्यिक / भाषागत विशेषताएँ सोदाहरण 2 **रामचंद्र शुक्ल** जन्म एवं जीवन परिचय– • बस्ती जिले के अगोना ग्राम में जन्म। • प्राथमिक शिक्षा, उर्दू, फारसी में। • हिन्दी लेखन प्रारंभ, 1910 तक लेखक के रूप में स्थापित। • वाराणसी में हिन्दी प्राध्यापक नियुक्त। रचनाएँ– 'तुलसीदास', 'जायसी–ग्रंथावली की भूमिका', 'सूरदास', 'चिंतामणि', 'रस–मीमांसा' आदि। साहित्यिक / भाषागत विशेषताएँ– • आलोचना और साहित्य चिंतन में प्रसिद्ध। • विज्ञान, दर्शन, इतिहास आदि विविध पक्षीय लेख। • हिन्दी आलोचना में नया स्वरूप	6

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 /	29 / 2 /	29 / 3 /		
				विकसित किया। भाषा–शैली– • भाषा प्रौढ़, प्रांजल और भावानुकूल। • विवेचनात्मक गद्य शैली, सूत्रात्मक भाषा, सूक्ष्म तर्क–योजना का समावेश। • संस्कृत के तत्सम शब्दों के साथ अन्य भारतीय भाषाओं के शब्दों से परहेज नहीं। **अथवा** **भीष्म साहनी** जन्म एवं जीवन परिचय – • रावलपिंडी में जन्म। गवर्नमेंट कॉलेज, लाहौर से अंग्रेजी साहित्य में एम.ए. और पंजाब विश्वविद्यालय से पीएच.डी.। • अध्यापन कार्य अंबाला कॉलेज, खालसा कॉलेज (अमृतसर), जाकिर हुसैन कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय)। • 'विदेशी भाषा प्रकाशन गृह' मास्को में भाषा के अनुवादक रहे। • 'साहित्य अकादमी पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। हिन्दी अकादमी ने उन्हें 'शलाका सम्मान' से सम्मानित किया।	

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 /	29 / 2 /	29 / 3 /		
	अथवा	अथवा	अथवा	रचनाएँ – 'भाग्य रेखा', 'भटकती राख', 'पहला पाठ', 'वाङ्च पटरियाँ', 'शोभा यात्रा', 'निशाचर', 'डायन', 'पाली' (कहानी संग्रह), 'हानूश', 'माधवी', 'मुआवजे', 'कबिरा खड़ा बाजार में' (नाटक), 'गुलेल का खेल' (बालोपयोगी कहानियाँ) आदि। नई कहानियों के कुशल सम्पादक। साहित्यिक विशेषताएँ– • भाषा–शैली में पंजाबी भाषा की सोंधी–सोंधी महक महसूस की जा सकती है। • भाषा में उर्दू शब्दों का प्रयोग विषय को आत्मीयता प्रदान करता है। छोटे–छोटे वाक्यों का सफल प्रयोग करके विषय को रोचक एवं प्रभावी बना देते हैं। • संवादों का सटीक प्रयोग वर्णन में ताजगी ला देता है। **अथवा** **<u>रघुवीर सहाय</u>** जन्म एवं जीवन परिचय – • जन्म उत्तर प्रदेश, लखनऊ। • शिक्षा – अंग्रेजी साहित्य में एम.ए.।	

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 /	29 / 2 /	29 / 3 /		
				• कार्यक्षेत्र 'प्रतीक' में सहायक संपादक। 'दिनमान' पत्रिका का संपादन। • आकाशवाणी के समाचार प्रभाग से जुड़े रहे। रचनाएँ– 'सीढियों पर धूप में', 'आत्महत्या के विरुद्ध', 'लोग भूल गए हैं', 'हँसो हँसो जल्दी हँसो'–रचनावली छह खंडों में प्रकाशित। 'नई कविता' के कवि, अज्ञेय द्वारा संपादित दूसरा सप्तक में संकलित। साहित्यिक / भाषागत विशेषताएँ– • सटीक, स्पष्ट, विचार एवं विवरण प्रधान। • भाषा सरल, स्पष्ट, सधी हुई। • सहज व्यावहारिक। • आधुनिक काव्य–भाषा के मुहावरे पकड़ने में अत्यंत कुशल। • काव्य रचना में पत्रकार की दृष्टि का सर्जनात्मक उपयोग। • नई कविता के समर्थक, प्रयोगवादी।	

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 /	29 / 2 /	29 / 3 /		
				अथवा **<u>सच्चिदानन्द हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'</u>** जन्म एवं जीवन परिचय– • जन्म – कुशीनगर, उत्तर प्रदेश। • प्रारंभिक शिक्षा अंग्रेजी और संस्कृत में। • बी.एस.सी. पास करने के बाद एम.ए. (अंग्रेजी)। • स्वतंत्रता–संग्राम में सहभागी। • जेल में चार वर्ष, किसान आंदोलन में सक्रिय भागीदारी • सेना में सेवा। • संसार के अनेक देशों की यात्रा। **रचनाएँ–** • कविता एवं यात्रा–वृत्तांत लेखन। • 'तार–सप्तक' एवं अन्य साहित्यिक पत्र–पत्रिकाओं का संपादन। • 'नदी के द्वीप', 'अपने–अपने अजनबी', 'शेखर एक जीवनी' (उपन्यास), 'अरे यायावर रहेगा याद', 'एक बूँद सहसा उछली' (यात्रा–वृत्तांत), 'त्रिशंकु', 'आत्मनेपद' (निबंध) तथा अनेक कहानी – संग्रह।	

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 /	29 / 2 /	29 / 3 /		
13.	13.	13.	13.	**पुरस्कार–** • साहित्य अकादमी, भारत–भारती तथा भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित। काव्यगत विशेषताएँ– • काव्य–क्षेत्र में आंदोलन की लहर का प्रवर्तन। • परंपराओं को छोड़ नयी परंपरा का सृजन। • समाज की चिंता। • भाषा – संस्कृनिष्ठ, स्वच्छ, परिष्कृत। • प्रतीक एवं बिम्बों का प्रयोग। • आत्मकथ्यात्मक भाषा। • आत्मविश्वास। • कर्मठता। • दृढ़–संकल्प। • परिश्रम। • प्रतिशोध का अभाव। • अपार–धैर्य। • पुनर्निर्माण पर विश्वास आदि। (विस्तार अपेक्षित)	5

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 /	29 / 2 /	29 / 3 /		
				अथवा • माँ और बच्चे का अटूट स्नेह। • वात्सल्य। • दूध के माध्यम से भावनात्मक लगाव और दृढ़ता। • संवेदनशीलता। • शारीरिक और मानसिक विकास में माँ के दूध का योगदान।	5
14.	14.	14.	14.	**दो प्रश्नों के उत्तर–**	5+5=10
	क	–	क	• औद्योगिक विकास की होड़ में रोज नये–नये कारखाने खुलना। • कारखानों के लिए जंगल का काटा जाना। • प्राकृतिक असंतुलन पैदा होना। • पर्यावरण का दूषित होना। • नदी–नालों का प्रदूषित होना आदि। • प्राकृतिक असंतुलन से घातक स्थिति का उत्पन्न होना।	5
	–	क	–	तर्क संगत एवं सकारात्मक उत्तर स्वीकार्य।	5
	ख	ख	–	• भूस्खलन से दबी भूमि को खेती योग्य बनाना। • हिमांग क्षेत्र से झरने का रुख खेत की	

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 /	29 / 2 /	29 / 3 /		
	–	–	ख	ओर लाना। • पेड़–पौधे लगाना, खेती करना, लकड़ी इकट्ठा करना। • पर्वतीय प्रदेश की जिंदगी की कठिनाइयों, जटिलताओं, दुखों और संघर्षों से जूझना। • पहले मूसलाधार पानी बरसता था। • नदी–नाले भर जाते थे। • चारों तरफ पानी ही पानी। • नदी (शिप्रा) का पानी घरों में घुस जाता था। • विभिन्न शहरों में होने वाली बरसात की चर्चा एवं जिज्ञासा। • जीवन–शैली, रहन–सहन के तरीकों से पर्यावरण पर प्रभाव। • वायुमंडल का बढ़ता तापमान। • बरसात में वर्षा का अभाव। • नदी–नालों का सूखना एवं वृक्षों का कटाव।	5 5

http://schools.aglasem.com/